जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया(उ0प्र0)

हिन्दी साहित्य–पाठ्यक्रम

एम0 ए0 : प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

सत्र : 2018–2019 से प्रभावी

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया हेतु
एम0 ए0(हिन्दी) का पाठ्यक्रम : 2018–2019

यथापूर्व इस पाठ्यक्रम के कुल 4 सेमेस्टर होंगे, जिनमें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र और चतुर्थ सेमेस्टर में तीन ही प्रश्नपत्र होंगे। चतुर्थ सेमेस्टर में चतुर्थ प्रश्नपत्र के स्थान पर मौखिकी होगी, जिसका पूर्णांक 100 होगा। इस प्रकार एम0 ए0 के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पूर्णांक=1600 होगा।

(हिन्दी) : प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र : प्राचीन काव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक(4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) अपभ्रंश–प्रकाश
इकाई 2–(व्याख्येय) विद्यापति
इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) अपभ्रंश–प्रकाश
इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) विद्यापति

पाठ्य ग्रन्थ :

1–अपभ्रंश प्रकाश : सम्पादन : डॉ0 बृजेश कुमार सिंह
संकलित कवि :
सरहपा, हेमचन्द्र, अद्दहमाण (अब्दुल रहमान), अज्ञात कवि मुंज, अवहट्ट कवि विद्यापति।
2–विद्यापति : (आरम्भ के 62 पद)–डॉ0 शिवप्रसाद सिंह

सहायक ग्रन्थ :

1–हिन्दी साहित्य का आदिकाल–हजारीप्रसाद द्विवेदी
2–हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग–डॉ0 नामवर सिंह
3– संदेश रासक–हजारी प्रसाद द्विवेदी
4– सिद्ध सरहपा–डॉ0 द्विजराम यादव
5– कीर्तिलता और अवहट्ट–शिवप्रसाद सिंह
6– अपभ्रंश भाषा का पारिभाषिक कोश–डॉ0 आदिम्य प्रचंडिया
7–अपभ्रंश साहित्य–डॉ0 हरवंश कोछड़
8– पुरानी हिन्दी–चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
9–अपभ्रंश का अध्ययन–डॉ0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव
10– अपभ्रंश–अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा–शम्भूनाथ पाण्डेय
11– प्राकृत–अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव–डॉ0 राम सिंह तोमर
12– अपभ्रंश पीठिका–डॉ0 सुमन राजे

प्रथम सेमे0/द्वितीय प्रश्न–पत्र : निर्गुण भक्ति काव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) कबीर
इकाई 2–(व्याख्येय) जायसी ग्रन्थावली
इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) कबीर
इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) जायसी

पाठ्य ग्रन्थ :

1–कबीर (दोहा पद सं0 160–209) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2–जायसी ग्रन्थावली : (मानसरोदक खण्ड, संदेश खण्ड, नागमती वियोग खण्ड) सं0 रामचन्द्र शुक्ल

सहायक ग्रन्थ :

1–त्रिवेणी	रामचन्द्र शुक्ल
2–कबीर	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3–कबीर : एक अनुशीलन	डॉ0 राम कुमार वर्मा
4–कबीर की विचारधारा	डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
5–कबीर : व्यक्तित्व और कृतित्व	चन्द्रमोहन सिंह
6–कबीर साहित्य की परख	परशुराम चतुर्वेदी
7–कबीर	विजयेन्द्र स्नातक
8–कबीर मीमांसा	रामचन्द्र तिवारी
9–कबीरदास : विविध आयाम	सं0 प्रभाकर श्रोत्रिय
10–पूरा कबीर	बलदेव वंशी
11–कबीर की भाषा	माताबदल जायसवाल
12–अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
13–कबीर : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी का प्रक्षिप्त चिन्तन–एक	डॉ0 धर्मवीर
14–कबीर : एक नयी दृष्टि	रघुवंश
15–साहित्य : संवेदना और विचारधारा	डॉ0 अमलदार 'नीहार'
16–जायसी	विजयदेव नारायण साही
17–मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	डॉ0 शिवसहाय पाठक
18–जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्श	डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
19–जायसी : एक नयी दृष्टि	रघुवंश
20–जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन	जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
21–सूफी मत साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी

प्रथम सेमे0/तृतीय प्रश्न–पत्र : सगुण भक्ति काव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) भ्रमरगीतसार
इकाई 2–(व्याख्येय) रामचरितमानस
इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) सूरदास
इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) तुलसीदास

पाठ्य ग्रन्थ :

1–भ्रमरगीत सार : (21 से 70 पद) सं0 रामचन्द्र शुक्ल
2–रामचरित मानस (बालकाण्ड : प्रारम्भ से 43 वें दोहे तक तथा उत्तरकाण्ड : 117–130 दोहे तक)

सहायक ग्रन्थ :

1–त्रिवेणी	रामचन्द्र शुक्ल
2–सूर साहित्य	हजारी प्रसाद द्विवेदी
3–सूरदास और उनका साहित्य	हरवंशलाल शर्मा
4–सूर की काव्यकला	डॉ0 मनमोहन गौतम
5–सूर की काव्य साधना	गोविन्द राम शर्मा
6–महाकवि सूरदास	जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
7–सूरदास	ब्रजेश्वर वर्मा
8–महाकवि सूरदास	नन्द दुलारे वाजपेयी
9–भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य	मैनेजर पाण्डे
10–परंपरा का मूल्यांकन	रामविलास शर्मा
11–तुलसी काव्य मीमांसा	उदयभानु सिंह
12–तुलसीदास और उनका काव्य	रामनरेश त्रिपाठी
13–लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
14–मानस दर्शन	डॉ0 श्रीकृष्ण लाल
15–तुलसी सन्दर्भ	डॉ0 नगेन्द्र
16–तुलसी दर्शन	बलदेव प्रसाद मिश्र
17–तुलसी संदर्भ और दृष्टि	डॉ0 केशव प्रसाद सिंह एवं डॉ0 वासुदेव सिंह
18–भक्ति काव्य और लोकजीवन	शिवकुमार मिश्र
19–भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
20–साहित्य : संवेदना और विचारधारा	डॉ0 अमलदार 'नीहार'
21–तुलसी–साहित्य–चिंतनधारा	डॉ0 मुनींद्र तिवारी

प्रथम सेमे0 / चतुर्थ प्रश्न–पत्र : रीतिकाव्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) बिहारी (बिहारी सतसई के चयनित 50 दोहे)
इकाई 2–(व्याख्येय) घनआनन्द (घनानन्द के चयनित 40 कवित्त)
इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) बिहारी
इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) घनानन्द

पाठ्य ग्रन्थ :

बिहारी और घनानन्द (चयनित काव्य–संग्रह) : सम्पादन : डॉ0 अमलदार 'नीहार'
एवं डॉ0 अखिलेश कुमार

सहायक ग्रन्थ :

1–बिहारी की वाग्विभूति	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2–हिन्दी साहित्य का अतीत भाग–2	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3–बिहारी का नया मूल्यांकन	डॉ0 बच्चन सिंह
4–बिहारी और उनका साहित्य	हरवंशलाल शर्मा
5–घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा	डॉ0 मनोहर लाल गौड़
6–घनानन्द का शृंगार काव्य	रामदेव शुक्ल
7–बिहारी और घनानन्द	परमलाल गुप्त
8–बिहारी अनुशीलन	डॉ0 सरोज गुप्ता
9–रीति काव्य की भूमिका	डॉ0 नगेन्द्र
10–हिन्दी रीति साहित्य	डॉ0 भगीरथ मिश्र
11–रीति काव्य की स्वच्छन्द धारा	कृष्णचन्द्र शर्मा
12–घनानन्द : काव्य और आलोचना	किशोरी लाल
13–रीतिकाली कवियों की प्रेमव्यंजना	बच्चन सिंह
14–रीतिकालीन काव्य सिद्धान्त	डॉ0 सूर्यनारायण द्विवेदी
15–रीतिकाव्य–कोश	डॉ0 विजयपाल सिंह
16–आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र का उत्तर मध्यकालीन विमर्श	डॉ0 अमलदार 'नीहार'
17–साहित्य : संवेदना और विचारधारा	डॉ0 अमलदार 'नीहार'

एम0 ए0 (हिन्दी) : द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय सेमे0/प्रथम प्रश्न–पत्र
आधुनिक काव्य : (छायावाद : प्रसाद, पंत, निराला और महादेवी)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) कामायनी, तारापथ
इकाई 2–(व्याख्येय) राग–विराग, दीपशिखा
इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) जयशंकर प्रसाद तथा सुमित्रानन्दन पन्त
इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा महादेवी वर्मा

पाठ्य ग्रन्थ :

1–कामायनी (श्रद्धा तथा लज्जा सर्ग) जयशंकर प्रसाद
2–तारापथ सुमित्रानन्दन पंत
(प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण, परिवर्तन (1, 6, 7, 11, 31 वाँ अंश), नौका विहार, बापू के प्रति)
3–राग–विराग : (निराला की चुनी हुई कविताओं का संग्रह) सम्पा. : रामविलास शर्मा
(वह तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, राम की शक्ति–पूजा)
4–दीपशिखा : महादेवी वर्मा
(पंथ होने दो अपरचित, सब बुझे दीपक जला लूँ, धूप सा तन दीप सी मैं, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, मोम सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)

सहायक ग्रन्थ :

1–कामायनी एक पुनर्विचार गजानन माधव मुक्तिबोध
2–कामायनी का पुनर्मूल्यांकन रामस्वरूप चतुर्वेदी
3–जयशंकर प्रसाद नन्ददुलारे वाजपेयी
4–जयशंकर प्रसाद डॉ0 प्रभाकर माचवे
5–जयशंकर प्रसाद सं0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6–प्रसाद और उनका साहित्य विनोद शंकर व्यास
7–प्रसाद का जीवन दर्शन, कला और कृतित्व सं0 महावीर अधिकारी
8–प्रसाद का विकासात्मक अध्ययन किशोरीलाल गुप्त
9–प्रसाद की कला गुलाबराय
10–जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता प्रभाकर श्रोत्रिय
11–कामायनी भाष्य डॉ0 द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12–प्रसाद और उनकी कामायनी डॉ0 उषा यादव
13–प्रसाद का काव्य प्रेमशंकर
14–प्रसाद काव्य का नया मूल्यांकन डॉ0 युगेश्वर
15–प्रसाद की कविता भोलानाथ तिवारी
16–सुमित्रानन्दन पंत डॉ0 नगेन्द्र
17–सुमित्रानन्दन पंत विश्वम्भर 'मानव'
18–सुमित्रानन्दन पंत नारायणदत्त पालीवाल
19–सुमित्रानन्दन पंत संपादक सदानन्दप्रसाद गुप्त
20–सुमित्रानन्दन पन्त शचीरानी गुर्टू

21–पन्त का काव्य और युग	यशदेव
22–पंत काव्य में समाज एवं संस्कृति	डॉ0 गीता दवे
23–निराला	नन्ददुलारे वाजपेयी
24–निराला की साहित्य–साधना (भाग 3)	रामविलास शर्मा
25–क्रान्तिकारी कवि निराला	डॉ0 बच्चन सिंह
26–निराला काव्य का अध्ययन	डॉ0 भगीरथ मिश्र
27–निराला साहित्य : एक आयाम	डॉ0 रामकुमार गुप्त
28–निराला की काव्यभाषा	डॉ0 शकुन्तला शुक्ल
29–निराला की आत्महन्ता आस्था	दूधनाथ सिंह
30–महाकवि निराला	सम्पादक जानकीवल्लभ शास्त्री
31–निराला के सृजन सिद्धान्त : विहग और मीन	अर्चना वर्मा
32–निराला का पुनर्मूल्यांकन	धनंजय वर्मा
33–निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	डॉ0 ए. अरविन्दाक्षन
34–निराला होने का अर्थ और तीन लम्बी कविताएँ	सं0 राजेन्द्र कुमार
35–महादेवी वर्मा	जगदीश गुप्त
36–महादेवी : चिन्तन व कला	इन्द्रनाथ मदान
37–महादेवी वर्मा	जगदीश गुप्त
38–महादेवी	दूधनाथ सिंह
39–छायावाद और महादेवी	नन्दकुमार राय
40–महादेवी का काव्य सौन्दर्य	राजपाल हुकुमचन्द
41–महादेवी की काव्य चेतना	राजेन्द्र मिश्र
42–छायावाद की प्रासंगिकता	रमेशचन्द्र शाह
43–छायावाद के गौरव चिह्न	डॉ0 श्रीपाल सिंह क्षेम
44–छायावाद	नामवर सिंह
45–छायावादी काव्य परंपरा और प्रयोग	डॉ0 त्रिलोकीलाथ पाण्डेय
46–छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन	कुमार विमल
47–कल्पना और छायााद	केदारनाथ सिंह

द्वितीय सेमे0/द्वितीय प्रश्न–पत्र : आधुनिक गद्य : नाटक तथा निबंध

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) चन्द्रगुप्त (नाटक) (अथवा) आधे अधूरे (नाटक)

इकाई 2–(व्याख्येय) हिन्दी निबन्ध

इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) चन्द्रगुप्त (नाटक) (अथवा) आधे अधूरे(नाटक)

इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) हिन्दी निबन्ध

पाठ्य ग्रन्थ :

1–चन्द्रगुप्त(नाटक) जयशंकर प्रसाद

(अथवा)

आधे अधूरे (नाटक) मोहन राकेश

2–हिन्दी निबन्ध : सम्पादन : डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय

संकलित निबन्धकार :

1–प्रताप नारायण मिश्र–धोखा, 2–रामचन्द्र शुक्ल–लोभ और प्रीति, 3–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–अशोक के फूल, 4–रामविलास शर्मा–परंपरा का मूल्यांकन, 5–हरिशंकर परसाई–वैष्णव की फिसलन, 6–विद्या निवास मिश्र–छितवन की छाँह।

सहायक ग्रन्थ :

1–प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन–डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी।

2–हिन्दी का गद्य साहित्य–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

3–हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।

4–हिन्दी नाटक–इतिहास के सोपान : गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

5–हिन्दी नाटक : आजकल–जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

6–हिन्दी नाटक–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

7–प्रसाद के नाटक : सृजनात्मक धरातल और भाषिक चेतना–गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

8–हिन्दी नाटक : मिथक और यथार्थ–रमेश गौतम।

11–हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ0 बाबूराम

12–हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी

13–स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंध एवं निबन्धकार–डॉ0 बापूराव देसाई, चिन्तन प्रकाशन, नौबस्ता, कानपुर

14–हिन्दी साहित्य में निबन्ध एवं निबन्धकार–डॉ0 गंगाप्रसाद गुप्त

15–हिन्दी की हास्य–व्यंग्य विधा का स्वरूप एवं विकास–इन्द्रनाथ मदान

16–साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन

17–हिन्दी निबन्ध के आधार–स्तम्भ–डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

18–हिन्दी के निबन्धकार–नलिन जयनाथ

द्वितीय सेमे0/तृतीय प्रश्न–पत्र : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) गोदान (उपन्यास) (अथवा) शेखर : एक जीवनी : भाग–एक (उपन्यास)

इकाई 2–(व्याख्येय) आधुनिक कहानियाँ

इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) गोदान (उपन्यास) (अथवा) शेखर : एक जीवनी : भाग–एक (उपन्यास)

इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) आधुनिक कहानियाँ

पाठ्य ग्रन्थ :

1–(क) गोदान : प्रेमचन्द्र

(अथवा)

(ख) शेखर : एक जीवनी : भाग–एक अज्ञेय

2–आधुनिक कहानियाँ : सम्पादक : डॉ0 अशोक कुमार

संकलित कहानियाँ :

1–प्रेमचन्द–बूढ़ी काकी, 2–जयशंकर प्रसाद–आकाशदीप, 3–भीष्म साहनी–चीफ की दावत, 4–मोहन राकेश–मलबे का मालिक, 5–निर्मल वर्मा–परिन्दे, 6–शिवप्रसाद सिंह–हत्या और आत्महत्या के बीच, 7–अमरकान्त–दोपहर का भोजन, 8–उषा प्रियंवदा–वापसी, 9–कृष्णा सोबती–सिक्का बदल गया, 10–विष्णु प्रभाकर–धरती अब भी घूम रही है, 11–काशीनाथ सिंह–सदी का सबसे बड़ा आदमी।

सहायक ग्रन्थ :

1–हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद–डॉ0 त्रिभुवन सिंह, प्रकाशन : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

2–हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग–डॉ0 त्रिभुवन सिंह, प्रकाशन : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

3–हिन्दी उपन्यास साहित्य में आदर्शवाद–डॉ0 सर्वजीत राय, प्रकाशन : लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4–आज की कहानी–विजय मोहन सिंह, प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5–कहानी और कहानी–नामवर सिंह, प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6–आधुनिकता और मोहन राकेश–डॉ0 उर्मिला मिश्र, प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7–हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा रामदरश मिश्र

8–हिन्दी उपन्यास का इतिहास गोपाल राय

9–हिन्दी गद्य शैली का विकास डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

10–हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद डॉ0 त्रिभुवन सिंह

11–उपन्यास की संरचना गोपाल राय

12–प्रेमचन्द और उनका युग रामविलास शर्मा

13–प्रेमचन्द : जीवन–दृष्टि और संवेदना सम्पा. डॉ0 कृष्णकुमार सिंह

14–कहानी नयी कहानी–नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन

15–कहानी कला : सिद्धान्त और विकास–डॉ0 सुरेश चन्द्र शुक्ल

16–आज की हिन्दी कहानी–डॉ0 धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

17–कहानी का रचना विधान–डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

18–नयी कहानी का परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य–डॉ0 रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

19–कुछ हिन्दी कहानियाँ : कुछ विचार–विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

20–हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन।

21–हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास–लक्ष्मीनारायण लाल–साहित्य भवन, इलाहाबाद

13–सामाजिक संरचना की नयी कहानी डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव

14–साठोत्तरी कहानी समग्र विवेचन डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव

द्वितीय सेमे0/चतुर्थ प्रश्न–पत्र : साहित्य सिद्धान्त : (भारतीय)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

(क)–काव्य : लक्षण, हेतु, प्रयोजन एवं शब्द शक्ति (ख)भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा : परिचयात्मक पर्यावलोकन

इकाई 2 :

रस सिद्धान्त : रस सम्प्रदाय का इतिहास, रस का स्वरूप, रस के अंग, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

इकाई 3 :

(क)–अलंकार सिद्धान्त : अलंकार सम्प्रदाय का इतिहास, अलंकार की अवधारणा, मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार एवं अन्य सम्प्रदाय (ख)–रीति सिद्धान्त : रीति सिद्धान्त का इतिहास, रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति एवं कला, रीतियाँ का भौगोलिक, प्रादेशिक आधार, रीति– भेद, स्थापनाएँ एवं मूल्यांकन

इकाई 4 :

(क)–ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि सम्प्रदाय का इतिहास, ध्वनि के विविध अर्थ, ध्वनि का मूल स्रोत, ध्वनि की अवधारणा (ख) वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति सिद्धान्त का इतिहास, वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, वक्रोक्ति एवं अन्य काव्य सिद्धान्त

सहायक ग्रन्थ :

1–भारतीय साहित्यशास्त्र कोश–डॉ0 राजवंश सहाय, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना
2–समीक्षा दर्शन–डॉ0 रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग) प्र0 इण्डियन प्रेस, प्रयाग
3–भारतीय काव्य शास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त –रघुवंश सहाय हीरा, चौखम्बा प्रेस, वाराणसी
4–काव्यशास्त्र–डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5–रस–विमर्श–डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
6–भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या–डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
7–कविता के प्रतिमान–डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर
8–भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ0 नगेन्द्र, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
9–साहित्यालोचन–डॉ0 श्यामसुन्दर दास, इण्डिसन प्रेस, प्रयाग
10–सिद्धान्त और अध्ययन–बाबू गुलाब राय
11–रस–मीमांसा–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
12–रस–सिद्धान्त–डॉ0 नगेन्द्र
13–भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी
14–काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद–डॉ0 भगीरथ मिश्र
15–काव्यशास्त्र–विमर्श–डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
16–भारतीय काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
17–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया(उ0प्र0)

हिन्दी साहित्य–पाठ्यक्रम

एम0 ए0 : तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र : 2019–2020 से प्रभावी

एम0 ए0 (हिन्दी) : तृतीय सेमेस्टर
तृतीय सेमे0/प्रथम प्रश्न–पत्र : भाषा विज्ञान

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

(क) भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग प्रकृति, विशेषताएँ (संरचना एवं स्वभागत), भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और वाक्, भाषा के विभिन्न स्तर–भेद–व्यक्ति बोली, विभाषा, मानक भाषा तथा उसके विविध रूप

(ख) भाषा विज्ञान : स्वरूप और प्रकृति, विषय–क्षेत्र, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध

इकाई 2 :

(क) ध्वनि–विज्ञान : ध्वनि का अर्थ, ध्वनिग्राम तथा संध्वनि, ध्वनि–गुण तथा उसकी उपयोगिता, ध्वनि की उत्पत्ति–प्रक्रिया, वाग्यन्त्र(ध्वनि तंत्र), ध्वनियों का वर्गीकरण, मानस्वर, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, ध्वनि–नियम

(ख) स्वनिम विज्ञान : स्वरूप, अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमों तथा उपस्वनों का अंकन, स्वनिम वितरण के सिद्धान्त

इकाई 3 :

(क) रूप विज्ञान : (मारफोलॉजी) : शब्द और रूप(पद), सम्बन्ध तत्व एवं अर्थतत्व, सम्बन्ध तत्व के भेद, शब्द कोटियाँ, व्याकरणिक कोटियाँ

(ख) वाक्य विज्ञान : वाक्य की अवधारणा, तत्व, वाक्य एवं पद का सम्बन्ध, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, गहन संरचना और बाह्य संरचना, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

इकाई 4 :

(क) अर्थ विज्ञान :अर्थ–ज्ञान, महत्त, शब्दार्थ सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

(ख) विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण (क) आकृति मूलक या रूपात्मक (ख) पारिवारिक

(ग) अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–शैली विज्ञान

सहायक ग्रन्थ–

1–भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र डॉ0 कपिल द्विवेदी

2–सामान्य भाषा विज्ञान – बाबू राम सक्सेना प्रकाशन : हिन्दी–साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

3–हिन्दी भाषा का विकास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा प्रकाशन : हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

4–भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

5–तुलनात्मक भाषा विज्ञान – पी0 डी0 गुणे प्रकाशक : मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

6–भाषाशास्त्र की रूपरेखा – डॉ0 उदयनारायण तिवारी प्रकाशक : भारती–भण्डार, इलाहाबाद

7–हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास उदयनारायण तिवारी

8–नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी डॉ0 अनंत चौधरी

9–हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण डॉ0 भोलानाथ तिवारी

10–देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी व्यवस्था लक्ष्मी नारायण

11–शैली विज्ञान – डॉ0 सुरेश कुमार, प्रकाशक : मैकमिलन, नई दिल्ली

12–शैली विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्रकाशक : शब्दकार, नई दिल्ली

13–हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ विमलेश क्रान्ति वर्मा

14–भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा तथा लिपि डॉ0 रघुवंशमणि पाठक

तृतीय सेमे0/द्वितीय प्रश्न–पत्र

(छायावादोत्तर काव्य–दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, केदारनाथ सिंह)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) व्याख्यात्मक तथा निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

इकाई 1–(व्याख्येय) उर्वशी (तृतीय सर्ग)
इकाई 2–(व्याख्येय) छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि
इकाई 3–(समीक्षात्मक निबन्ध) उर्वशी (तृतीय सर्ग)
इकाई 4–(समीक्षात्मक निबन्ध) छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि

पाठ्य ग्रन्थ –

1–उर्वशी (तृतीय सर्ग) : रामधारी सिंह दिनकर
2–छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि : सम्पादन–डॉ0 श्रीपति यादव
संकलित कवि :
(क)अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, असाध्य वीणा।
(ख)ग.मा. मुक्तिबोध : भूल गलती, अँधेरे में।
(ग) नागार्जुन–प्रेत का बयान, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद।
(घ) त्रिलोचन–बिस्तरा है न चारपाई है, काशी का जुलहा, अपना ही घर।
(ङ) शमशेर बहादुर सिंह–बात बोलेगी, उषा, एक पीली शाम।
(च) केदारनाथ अग्रवाल–बसन्ती हवा, चन्द्रगहना से लौटती बेर।
(छ)केदारनाथ सिंह–अनागत, माँझी का पुल, बनारस।

सहायक ग्रन्थ :

1–उर्वशी : विचार और विश्लेषण डॉ0 वचन देव कुमार
2–उर्वशी : एक विवेचन(तृतीय अंक) श्रीकृष्णदेव शर्मा
3–धूपछाँही दिनकर डॉ0 शम्भुनाथ
4–दिनकर : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व सं0 जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
5–अज्ञेय : सृजन और संघर्ष – डॉ0 रामकमल राय प्रकाशन : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6–अज्ञेय–प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7–अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ0 कृष्णा भावुक, प्रकाशन : अशोक प्रकाशन, दिल्ली
8–अज्ञेय की आधुनिक कविता की समस्याएँ–प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9–मुक्तिबोध : विचारक, कवि, कथाकार–प्रो0 सुरेन्द्र प्रताप, प्रकाशन : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10–मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध काव्य कला के प्रतीक, चंचल प्रकाशन : लिपि प्रकाशन, दिल्ली
11–मुक्तिबोध की काव्य–प्रक्रिया –अशोक चक्रधर प्रकाशन : मैकमिलन, दिल्ली
12–हिन्दी के साहित्य निर्माता : अज्ञेय प्रभाकर माचवे
13–अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या रामस्वरूप चतुर्वेदी
14–अज्ञेय और नयी कविता डॉ0 चन्द्रकला त्रिपाठी
15–अज्ञेय कवि और काव्य डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

16–अज्ञेय का कवि कर्म कृष्णदत्त पालीवाल
17–आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय विद्यानिवास मिश्र
18–अज्ञेय : विचार एवं कविता राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
19–सर्जना के क्षण–अज्ञेय, भारतीय साहित्य प्रकाशन, मेरठ
20–नयी कविता और अस्तित्ववाद–डॉ0 रामविलास शर्मा, प्रकाशन : मैकमिलन, दिल्ली
21–कविता के नये प्रतिमान–डॉ0 नामवर सिंह, प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
22–आधुनिक हिन्दी कविता–सं0 जगदीश चतुर्वेदी, प्रकाशन : मैकमिलन, दिल्ली
23–नागार्जुन की काव्य यात्रा–डॉ0 रतन कुमार पाण्डेय, प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
24–नई कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध–गजानन माधव मुक्तिबोध,प्रकाशन : राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
25–हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य–अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
26–नयी कविता के प्रतिमान–लक्ष्मीकान्त वर्मा, भारती प्रेस प्रा0 लि0, इलाहाबाद
27–आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ डॉ0 नामवर सिंह
28–नागार्जुन की कविता अजय तिवारी
29–नया साहित्य : नये प्रश्न आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
30–साहित्य : संवेदना और विचारधारा डॉ0 अमलदार 'नीहार'

तृतीय सेमे0/तृतीय प्रश्न–पत्र : साहित्य सिद्धान्त (पाश्चात्य)

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1–(क)–प्लेटो : काव्य सिद्धान्त (ख)–अरस्तू : अनुकृति, त्रासदी (ट्रेजडी–और उसके विविध तत्त्व), विरेचन सिद्धान्त, प्लेटो और अरस्तू के काव्य सिद्धान्त की तुलना

इकाई 2–(क)–लोंजाइनस : काव्य के उदात्त की अवधारणा एवं उसके विविध तत्त्व (ख)–वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त (ग)–कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी

इकाई 3–(क)–टी0 एस0 इलिएट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण (ख)–आई0 ए0 रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, भाषा के विविध प्रयोग, सम्प्रेषण–सिद्धान्त

इकाई 4–सिद्धान्त और वाद : (क) स्वच्छन्दतावाद (रोमांटिसिज्म), (ख) शास्त्रीयतावाद, (ग) मार्क्सवादी काव्य–सिद्धान्त, (घ) मनोविश्लेषणवादी काव्य सिद्धान्त, (ङ) बिम्बवाद, (च) प्रतीकवाद, (छ) अस्तित्ववाद, (ज)नयी समीक्षा, (झ)साहित्य का समाजशास्त्र

सहायक ग्रन्थ :

1–पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र, प्रकाशन : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2–पाश्चात्य काव्यशास्त्र – रामपूजन तिवारी, प्रकाशन : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3–पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा–डॉ0 नगेन्द्र
4–पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
5–पाश्चात्य काव्य शास्त्र–डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6–पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास–डॉ0 तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7–पाश्चात्य काव्य–चिन्तन–करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8–अरस्तू का काव्यशास्त्र–डॉ0 नगेन्द्र, भारती भंडार, इनाहाबाद
9–काव्यचिन्तन की पश्चिमी परंपरा–डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10–अस्तित्त्ववाद : कीर्केगार्द से कामू तक–योगेन्द्र शाही, मैकमिलन इण्डिया, कलकत्ता
11–उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम–बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
12–पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
13–नयी समीक्षा के प्रतिमान–सं0 डॉ0 निर्मला जैन
14–प्लेटो के काव्य सिद्धान्त–डॉ0 निर्मला जैन
15–भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
16–भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ0 अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

तृतीय सेमे0 / चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी पत्रकारिता

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

(क)–पत्रकारिता की अवधारणा, पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता के उद्देश्य

(ख)–पत्रकारिता के मूल तत्व

(ग)–सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त

(घ)–भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि

इकाई 2 :

(क)–पत्रकारिता की आधुनिक विधाएँ : खोजी एवं विश्लेषणात्मक पत्रकारिता, फीचर लेखन एवं विशेषीकृत पत्रकारिता (ख)–रिपोर्टिंग और सम्पादन की प्रक्रिया तथा विविध आयाम

(ग)–इलेक्ट्रानिक माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता

(घ)–सूचना और कानून

(क) श्रमजीवी पत्रकार कानून

(ख) प्रेस कमीशन 1 तथा 2

(ग) प्रेस स्वतंत्रता सम्बन्धी अद्यतन कानून

(घ) प्रसार भारती

इकाई 3 :

(क)–हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

(ख)–हिन्दी के प्रमुख पत्र : उदन्त मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला

(ग)–प्रमुख सम्पादक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, पं0 युगल किशोर सुकुल, बालकृष्ण भट्ट, पं0 माधव प्रसाद मिश्र, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव, विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवार भारती

इकाई 4 :

(क)–हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता (ख)–हिन्दी पत्रकारिता के वर्तमान संदर्भ, प्रवृत्तियाँ और समस्याएँ

(ग)–हिन्दी पत्रकारिता के विकास की समस्याएँ

सहायक ग्रन्थ :

1–हिन्दी पत्रकारिता, विविध आयाम – डॉ0 वेद प्रताप वैदिक, प्रकाशन : ने0 प0 हाउस, नई दिल्ली

2–हिन्दी पत्रकारिता : आलोचनात्मक इतिहास डॉ0 रमेशकुमार जैन

3–हिन्दी पत्रकारिता डॉ0 रमेश चन्द्र त्रिपाठी

4–जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता–डॉ0 अर्जुन तिवारी, प्रकाशन : जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5–हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास–डॉ0 अर्जुन तिवारी, प्रकाशन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6–इतिहास निर्माता पत्रकार–डॉ0 अर्जुन तिवारी

7–समाचार पत्र और सम्पादन कला–अम्बिका प्रसाद वाजपेयी

8–पत्रकारिता के विविध संदर्भ–डॉ0 वंशीधर लाल
9–संवाद और संवाददाता–डॉ0 राजेन्द्र
10–समाचार संकलन और संपादन–डॉ0 रमेश जैन
11–पत्रकारिता जनसंचार सिद्धान्त एवं व्यवहार–सं0 डॉ0 बलदेव राजगुप्त तथा पुरुषोत्तम, प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12–लोक सम्पर्क–राजेन्द्र, प्रकाशक : हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चण्डीगढ़
13–समकालीन पत्रकारिता–सं0 राजकिशोर, प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14–जनसंचार विविध आयाम–बृजमोहन गुप्त, प्रकाशन : राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली
15–हिन्दी पत्रकारिता–डॉ0 कृष्णबिहारी मिश्र, प्रकाशक : भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
16–हिन्दी पत्रकारिता के युग निर्माता–डॉ0 लक्ष्मीशंकर व्यास, प्रकाशक : व्यास प्रकाशन, वाराणसी
17–पत्रकारिता के विविध रूप–डॉ रामचन्द्र तिवारी, प्रकाशन : आलेख प्रकाशन, दिल्ली
18–प्रेस विधि –डॉ0 नन्दकिशोर त्रिखा, प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
19–हिन्दी पत्रकारिता डॉ0 धीरेन्द्र नाथ सिंह
20–भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता–गंगा प्रसाद ठाकुर, प्रकाशन : म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
21–पत्रकारिता : इतिहस और प्रश्न कृष्णबिहारी मिश्र
22–पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य राजकिशोर
23–प्रसार भारती प्रसारण भारती सुधीश पचौरी
24–हिन्दी पत्रकारिता और राजभाषा विमर्श शशि नारायण
25–आर्थिक पत्रकारिता भरत झुनझुनवाला
26–दूरदर्शन : विकास से बाजार तक सुधीश पचौरी
27–मीडिया विमर्श रामशरण जोशी
28–साहित्यिक पत्रकारिता ज्योतिष जोशी
29–टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप दीपू राय
30–पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण अरविन्द मोहन
31–इण्टरनेट पत्रकारिता सुरेश कुमार
32–खेल पत्रकारिता सुशील दोसी
33–लोकतंत्र और पत्रकारिता संपादक अमर सिंह बधान

एम. ए. हिन्दी : चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ सेमे0/प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

(क)–इतिहास और इतिहास दर्शन

(ख)–हिन्दी साहित्य का इतिहास : लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

(ग)–हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण

(घ)–हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य

इकाई 2 :

(क)–हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य : काल–सीमा, नामकरण, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि

रचनाएँ और रचनाकार :

(ख)–भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं प्रवृत्तियाँ

(ग)–द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं प्रवृत्तियाँ

(घ)–हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का विकास : छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई 3 :

क–भक्तिकाल का सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ और भक्ति आन्दोलन, भक्ति की विभिन्न धाराएँ और प्रवृत्तियाँ

ख–रीतिकाल की परिस्थितियाँ, काल–सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, कवि–श्रेणियाँ और उनकी प्रवृत्तियाँ

इकाई 4 :

(क)–छायावादोत्तर काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नवगीत, समकालीन कविता

(ख)–हिन्दी की प्रमुख गद्य विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी,निबन्ध और आलोचना) का विकास एवं प्रवृत्तियाँ

सहायक ग्रन्थ :

1–हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

2–हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय प्रकाशक : महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग

3–हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्रकाशक : अरुण प्रकाशन, कलकत्ता

4–हिन्दी साहित्य का अतीत(भाग 1,2, 3) : पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रकाशक : वाणी वितान प्रकाशक, वाराणसी

5–हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्रकाशक : रामनारायण लाल, प्रयाग

6–हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी , प्रकाशक : बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

7–हिन्दी साहित्य का आदिकाल–हजारी प्रसाद द्विवेदी

8–हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास–हजारी प्रसाद द्विवेदी
9–हिन्दी साहित्य का उद्‌भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्रकाशक : हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
10–आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्रकाशक : लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11–आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल , प्रकाशक : हिन्दी परिषद, प्रयाग
12–हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र
13–हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद मिश्र, प्रकाशक : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
14–हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, प्रकाशक : राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली
15–हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16–साहित्य और इतिहास दृष्टि–मैनेजर पाण्डे, पीपुल्स, लिटरेसी दिल्ली
17–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नव जागरण–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18–भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19–महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20–हिन्दी साहित्य का इतिहास–लाल साहब सिंह

एम0 ए0 (हिन्दी)–चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ सेमे0/द्वितीय प्रश्न–पत्र : हिन्दी भाषा एवं लिपि

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ–पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण

इकाई 2 :

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और बोलियाँ

इकाई 3 :

हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खण्ड्य, खण्ड्येतर हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूप, रचना–लिंग–वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में, हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप हिन्दी वाक्य–रचना–पद क्रम और अन्वित

इकाई 4 :

हिन्दी के विविध रूप : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

3–देवनागरी लिपि : विकास, गुण–दोष, मानकीकरण

सहायक ग्रन्थ :

1–राजभाषा हिन्दी–प्रकाशन विभाग
2–हिन्दी भाषा–डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्रकाशन : किताब महल, इलाहाबाद
3–एलीमेंट ऑफ साइसं ऑफ लैंग्वेज – आई0 जे0 सोरावगी, प्रकाशन : तारापुरवाला
4–हिन्दी भाषा की संरचना–डॉ0 भोलानाथ तिवारी, प्रकाशन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5–हिन्दी भाषा–डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रकाशन : साहित्य भवन प्रा0 लि0, नई दिल्ली
6–हिन्दी संरचना का शैक्षिक स्वरूप–डॉ0 राजकमल पाण्डेय, प्रकाशक : विराट प्रकाशन, आगरा
7–हिन्दी शब्दानुशासन आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
8–हिन्दी व्याकरण कामता प्रसाद गुरु
9–हिन्दी भाषा डॉ0 हरदेव बाहरी
10–हिन्दी भाषा और नागरी लिपि लक्ष्मीकान्त वर्मा
11–नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ डॉ0 नरेश मिश्र
10–राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
13–हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
14–हिन्दी भाषा, लिपि का इतिहास एवं प्रयोग गोपाल स्वरूप पाठक
15––हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16–हिन्दी शब्द समूह का विकास डॉ0 नरेश मिश्र
17–हिन्दी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
18–हिन्दी जाति एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी के विविध संदर्भ डॉ0 रघुवंशमणि पाठक

चतुर्थ सेमे0/चतुर्थ सेमे0/तृतीय प्रश्न–पत्र : लोक साहित्य

प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा, जिसमें सभी इकाइयों से सम्बन्धित कुल 10 लघूत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=4 अंक (10X4=40) पूछे जायेंगे। शेष चार प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न=15 अंक (4X15=60) निबन्धात्मक करने होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

पाठ्य विषय :

इकाई 1 :

1– लोक साहित्य की परिभाषा : क्षेत्र और लोक वार्ता (लोक संस्कृति) और नागर साहित्य में अन्तर (लोक साहित्य के संग्रहकर्ता, भोजपुरी और लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ)

2–लोक साहित्य का वर्गीकरण : विभिन्न विद्वानों द्वारा किये गये वर्गीकरण का परिचय, प्रमुख भेद–लोक गीत, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक सुभाषित, लोक पहेली

इकाई 2 :

1–लोक गीतों के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन : संस्कार गीत, ऋतु और उत्सव गीत, व्रत गीत, जाति गीत

2–लोक कथा के विभिन्न रूप–वर्गीकरण और उदाहरण सहित विश्लेषण, लोकगीत और लोक कथा में अन्तर, भोजपुरी और अवधी क्षेत्र की प्रमुख लोक गाथाओं का परिचय

इकाई 3 :

1–लोक कथा के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन, वस्तु और शैली के आधार पर वर्गीकरण

2–लोक नाट्य के विभिन्न भेद : भोजपुरी और अवधी क्षेत्रों के प्रमुख नाटक

इकाई 4 :

1–लोक सुभाषित की परम्परा और भेद, सोदाहरण विवेचन

2–लोक पहेलियाँ, स्वरूप, भेद और महत्व

3–लोक साहित्य का सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व

सहायक ग्रन्थ :

1–लोक साहित्य विज्ञान	डॉ0 सत्येन्द्र
2–लोक साहित्य विमर्श	डॉ0 श्याम परमार
3–लोक साहित्य और संस्कृति	डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद
4–लोक साहित्य के प्रतिमान	डॉ0 कुन्दन लाल उप्रेती
5–लोक जीवन और साहित्य	डॉ0 रामविलास शर्मा
6–हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास 16 वाँ भाग	सम्पा.डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
7–लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
8–भारतीय लोक साहित्य	डॉ0 श्याम परमार
9–भोजपुरी संस्कार गीत	डॉ0 विजय नारायण सिंह
10–लोक साहित्य	डॉ0 कृष्णचन्द्र शर्मा
11–लोकजीवन के स्वर	डॉ0 कृष्णचन्द्र शर्मा
12–लोकभाषा	डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
13–लोकसाहित्य विज्ञान	डॉ0 सत्येन्द्र
14–लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन	डॉ0 छोटेलाल बहरदार
15–लोकसाहित्य का शास्त्रीय अनुशीलन	डॉ0 महेश गुप्त
16–लोकसंस्कृति और लोक साहित्य	डॉ0 जयनारायण कौशिक
17–लोकोक्ति कोश	हरवंश राय शर्मा
18–भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन	कृष्णदेव उपाध्याय
19–भोजपुरी लोक साहित्य का इतिहास	कृष्णदेव उपाध्याय
20–लोक साहित्य की रूपरेखा	डॉ0 सत्यनारायण दुबे 'शरतेन्दु'
21–भोजपुरी लोकसाहित्य	डॉ0 सत्यनारायण दुबे 'शरतेन्दु'

चतुर्थ सेमे0 / चतुर्थ : मौखिकी

परीक्षक द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका उत्तर परीक्षार्थी मौखिक रूप से देगें।

पूर्णांक–100